Declamation competition

Declamation competition

Sukti lekhan pratiyogita

Bhajan pratiyogita

Poem competition

विद्यार्थियों ने किया मेले का भ्रमण

नभ-छोर न्यूज ⏭ 28 जनवरी

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय के हिन्दी व संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका कक्कड़ के नेतृत्व में स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए चतुर्थ हिसार गौरव के रूप में आयोजित स्वदेशी मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में सहायक हैं। डॉ. मोनिका कक्कड़ ने विद्यार्थियों को स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का संदेश दिया। भ्रमण टीम में संस्कृत व हिन्दी विभाग के डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. निर्मला, संतोष, डॉ. सुमन, डॉ. माया, किरणबाला, अमरनाथ, सीमा चैधरी व पूनम कुमारी भी शामिल थे।

दयानन्द महाविद्यालय विभिन्न भाषाओं में 'काव्य-पाठ' प्रतियोगिता का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 नवम्बर : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के हिन्दी विभाग द्वारा विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ की अध्यक्षता में विभिन्न भाषाओं में 'काव्य-पाठ' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों ने हिन्दी, पंजाबी, उर्दू व हरियाणवी भाषाओं में लगभग 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने मनोभावों को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा देवांशी ने प्रथम स्थान, बी.एससी. प्रथम वर्ष की छात्रा गुल ने द्वितीय स्थान तथा बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र रजत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उर्दू कविता में बी.एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र सुमित ने प्रथम स्थान, हरियाणवी कविता में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंका ने प्रथम स्थान, पंजाबी कविता में बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र विशाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित करवाने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती हैं जिसके माध्यम से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रो. सीमा चौधरी, डॉ. सुमन बाला, प्रो. अमरनाथ ने निभाई। मंच का संचालन डॉ. माया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. निर्मला, प्रो. संतोष, प्रो. पूनम कुमारी तथा बहुत सारे विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रियंका ने प्रथम स्थान, पंजाबी कविता में बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र विशाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित कराने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती हैं कि जिसके माध्यम से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। प्रतियोगिता के समापन पर डॉ. संगीता शर्मा ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा, संस्कार व प्रतिभा का समान विकास होना चाहिए व इसके लिए लगातार प्रयासरत रहना चाहिए तभी जीवन में निखार आएगा। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रो. सीमा चौधरी, डॉ. सुमन बाला, प्रो. अमरनाथ ने निभाई। मंच का संचालन डॉ. माया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. निर्मला, प्रो. संतोष, प्रो. पूनम कुमारी तथा बहुत सारे विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुमित उर्दू में तो प्रियंका हरियाणवी में कविता सुनाकर रहे विजेता

नभ-छोर न्यूज ⏭ 19 नवंबर

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ की अध्यक्षता में विभिन्न भाषाओं में काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत हिन्दी, पंजाबी, उर्दू व हरियाणवी भाषाओं में लगभग 30 विद्यार्थियों ने अपने मनोभावों को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना के साथ किया गया। हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा देवांशी ने प्रथम स्थान, हरियाणवी कविता में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा

द्वितीय स्थान तथा बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र रजत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उर्दू कविता में बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र सुमित ने प्रथम स्थान, हरियाणवी कविता में स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रियंका ने प्रथम स्थान, पंजाबी कविता में बीए प्रथम वर्ष के छात्र विशाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना विजेता होने से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। ये प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को उनकी अपनी विशिष्ट प्रतिभा से परिचित करवाने के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करती हैं जिसके माध्यम से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि व अभिव्यक्ति में कुशलता हासिल हो सके। प्रतियोगिता के समापन पर डॉ. संगीता शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा, संस्कार व प्रतिभा का समान विकास होना चाहिए व इसके लिए लगातार प्रयासरत रहना चाहिए, तभी जीवन में निखार आएगा। इस अवसर पर निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रो. सीमा चौधरी, डॉ. सुमन बाला, प्रो. अमरनाथ ने निभाई। मंच का संचालन डॉ. माया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. निर्मला, संतोष, डॉ. पूनम कुमारी आदि उपस्थित रहे।

दयानन्द महाविद्यालय में स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 12 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार में स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में पंचदिवसीय कार्यक्रम विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है जिसके तीसरे दिन श्लोकोच्चारण व भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपनी गौरवमयी उपस्थिति से विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के जीवन पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। हिन्दी व संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ ने अपने बहुमूल्य विचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। संस्कृति और संस्कृत के पोषक स्वामी दयानन्द सरस्वती के महानतम कार्यों को याद किया। मंत्र और श्लोक के भेद को स्पष्ट किया। इस अवसर पर संयोजक की भूमिका डॉ. अर्चना मलिक व मंजू शर्मा ने निभाई व सहायक की भूमिका में श्री विवेक जी रहे। निर्णायकमण्डल की भूमिका डॉ. चाँदनी व डॉ. शालू व पूनम कुमारी ने निभाई। मंच संचालन डॉ. सुमनबाला व श्री हिम्मत जी ने किया। इस अवसर पर अपने श्लोकोच्चारण से स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के वेदमयी जीवन व भजनों से उनकी महिमा का यशोगान किया। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कृष्णा, कमलकान्त और सुमित ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भजन प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कृष्णा ने प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र कृष्ण ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र ममोक्षु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ लगभग सभी विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।